आज समाज 7/9/2026

चर्चा

एसडी कॉलेज में पैंक्रियाटिक कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान, म्यूकिन्स की भूमिका पर डाला प्रकाश

कैंसर अनुसंधान की नई दिशाओं को समझें और इस क्षेत्र में शोध के अवसर तलाशें विद्यार्थी

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। पैंक्रियाटिक कैंसर के विकास और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आक्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर की पहचान और उपचार के लिए म्यूकिन्स भविष्य में महत्वपूर्ण जैव-चिह्न (बायोमार्कर) और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य साबित हो सकते हैं। यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फैलो डॉ. राकेश भाटिया ने गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान के दौरान दी। पीएम-उषा योजना के तहत कॉलेज के जूलोजी विभाग की ओर से पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरूआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये जटिल ग्लाइकोप्रोटीन शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पैंक्रियाटिक कैंसर में अलग-अलग प्रकार के म्यूकिन्स की भूमिका को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि कैंसर के शुरूआती चरण से लेकर ट्यूमर की वृद्धि, आसपास के ऊतकों में आक्रमण और शरीर के अन्य अंगों तक इसके प्रसार में म्यूकिन्स से जुड़े बदलाव महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने म्यूकिन्स के माध्यम से कैंसर कोशिकाओं के विकास और प्रसार को नियंत्रित करने वाली आणविक प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, कैंसर की समय रहते पहचान और प्रभावी उपचार की दिशा में म्यूकिन्स को संभावित डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने कैंसर जीव विज्ञान और इम्यूनोलॉजी से जुड़े सवाल पूछे। डॉ. भाटिया ने उनके सवालों के जवाब देते हुए इस क्षेत्र में चल रहे शोध और भविष्य की संभावनाओं से भी अवगत कराया। व्याख्यान ने विद्यार्थियों को कैंसर अनुसंधान की नई दिशाओं को समझने और इस क्षेत्र में शोध के अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के संरक्षण में किया गया। अंत में जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता ने वक्ता और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

एसडी कॉलेज में पैंक्रियाटिक कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान, म्यूकिन्स की भूमिका पर डाला प्रकाश

चंडीगढ़, 6 सितम्बर (विशेष संवाददाता): पैंक्रियाटिक कैंसर के विकास और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आक्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर की पहचान और उपचार के लिए म्यूकिन्स भविष्य में महत्वपूर्ण जैव-चिह्न (बायोमार्कर) और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य साबित हो सकते हैं। यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फैलो डॉ. राकेश भाटिया ने गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सैक्टर-32 में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान के दौरान दी। पीएम-उषा योजना के तहत कॉलेज के जूलोजी विभाग की ओर से 'पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये जटिल ग्लाइकोप्रोटीन शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पैंक्रियाटिक कैंसर में अलग-अलग प्रकार के म्यूकिन्स की भूमिका को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि कैंसर के शुरुआती चरण से लेकर ट्यूमर की वृद्धि, आसपास के उतकों में आक्रमण और शरीर के अन्य अंगों तक इसके प्रसार में म्यूकिन्स से जुड़े बदलाव महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने म्यूकिन्स के माध्यम से कैंसर कोशिकाओं के विकास और प्रसार को नियंत्रित करने वाली आणविक प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, कैंसर की समय रहते पहचान और प्रभावी उपचार की दिशा में म्यूकिन्स को संभावित डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने कैंसर जीव विज्ञान और इम्यूनोलॉजी से जुड़े सवाल पूछे। डॉ. भाटिया ने उनके सवालों के जवाब देते हुए इस क्षेत्र में चल रहे शोध और भविष्य की संभावनाओं से भी अवगत कराया। व्याख्यान ने विद्यार्थियों को कैंसर अनुसंधान की नई दिशाओं को समझने और इस क्षेत्र में शोध के अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के संरक्षण में किया गया।

अंत में जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता ने वक्ता और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

एसडी कॉलेज में पैंक्रियाटिक कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान डॉ. राकेश भाटिया संबोधित करते हुए।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
07-Sep-2026
Page: 5
https://www.ajitsamachar.com/20260907/20/5/1_1.cms

अमर उजाला 7/9/2026

म्यूकिन्स समझने से आसान होगा कैंसर का इलाज

एसडी कॉलेज सेक्टर-32 में आयोजित व्याख्यान में विशेषज्ञ ने दी जानकारी

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। पैंक्रियाटिक कैंसर में म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आसपास के ऊतकों में आक्रमण और शरीर के दूसरे हिस्सों तक फैलाव यानी मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर के समय पर पता लगने और उसके दूसरे अंगों तक फैलने से पहले उपचार शुरू होने पर इलाज की राह आसान हो सकती है।

यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी मोहाली के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश भाटिया ने दी। वह गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज सेक्टर-32 में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में बोल रहे थे। जूलोजी विभाग की ओर से पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. भाटिया ने बताया कि वैज्ञानिक कैंसर कोशिकाओं में होने वाले उन बदलावों को समझने पर काम कर रहे हैं, जो इनके तेजी से बढ़ने और शरीर में फैलने में मदद करते हैं। पैंक्रियाटिक कैंसर में म्यूकिन्स ऐसे महत्वपूर्ण कारकों में शामिल हैं।

एसडी कॉलेज में आयोजित व्याख्यान में जानकारी देते विशेषज्ञ। संस्थान

शुरुआती पहचान में मददगार हो सकते हैं बायोमार्कर

डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को सरल उदाहरणों से समझाया कि म्यूकिन्स क्या होते हैं और शरीर में इनका सामान्य काम क्या है। उन्होंने बताया कि पैंक्रियाटिक कैंसर के शुरुआती दौर से लेकर ट्यूमर के बढ़ने और शरीर के दूसरे हिस्सों तक फैलने में म्यूकिन्स से जुड़े बदलाव महत्वपूर्ण हो सकते हैं। उभविष्य में इन्हीं बदलावों को समझकर कैंसर की जल्दी पहचान के लिए बायोमार्कर और इलाज के लिए संभावित लक्ष्य विकसित किए जा सकते हैं। विद्यार्थियों ने कैंसर जीव विज्ञान और इम्यूनोलॉजी से जुड़े सवाल पूछे।

अर्थ प्रकाश 7/9/2026

एसडी कॉलेज में पैंक्रियाटिक कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान, म्यूकिन्स की भूमिका पर डाला प्रकाश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। पैंक्रियाटिक कैंसर के विकास और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आक्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर की पहचान और उपचार के लिए म्यूकिन्स भविष्य में महत्वपूर्ण जैव-चिह्न (बायोमार्कर) और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य साबित हो सकते हैं।

यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फैलो डॉ. राकेश भाटिया ने गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान के दौरान दी। पीएम-उषा योजना के तहत कॉलेज के जूलोजी विभाग की ओर से 'पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये जटिल ग्लाइकोप्रोटीन शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पैंक्रियाटिक कैंसर में अलग-अलग प्रकार के म्यूकिन्स की भूमिका को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने म्यूकिन्स के माध्यम से कैंसर कोशिकाओं के विकास और प्रसार को नियंत्रित करने वाली आणविक प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, कैंसर की समय रहते पहचान और प्रभावी उपचार की दिशा में म्यूकिन्स को संभावित डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

विद्यार्थियों ने कैंसर जीव विज्ञान और इम्यूनोलॉजी से जुड़े सवाल पूछे। डॉ. भाटिया ने उनके सवालों के जवाब देते हुए इस क्षेत्र में चल रहे शोध और भविष्य की संभावनाओं से भी अवगत कराया। व्याख्यान ने विद्यार्थियों को कैंसर अनुसंधान की नई दिशाओं को समझने और इस क्षेत्र में शोध के अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया।

एसडी कॉलेज में पैंक्रियाटिक कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान, म्यूकिन्स की भूमिका पर डाला प्रकाश

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

पैंक्रियाटिक कैंसर के विकास और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आक्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर की पहचान और उपचार के लिए म्यूकिन्स भविष्य में महत्वपूर्ण जैव-चिह्न (बायोमार्कर) और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य साबित हो सकते हैं। यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के

एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फैलो डॉ. राकेश भाटिया ने गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान के दौरान दी। पीएम-उषा योजना के तहत कॉलेज के जूलोजी विभाग की ओर से 'पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये जटिल ग्लाइकोप्रोटीन शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पैंक्रियाटिक कैंसर में अलग-अलग प्रकार के म्यूकिन्स की भूमिका को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि कैंसर के शुरुआती चरण से लेकर ट्यूमर की वृद्धि, आसपास के ऊतकों में आक्रमण और शरीर के अन्य अंगों तक इसके प्रसार में म्यूकिन्स से जुड़े बदलाव महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

दैनिक जागरण 7/9/2026

पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, वृद्धि और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स की अहम भूमिका

- एसडी कालेज में पीएम-उषा योजना के तहत ज्योलाजी विभाग ने करवाया व्याख्यान
- म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं के विकास और प्रसार को बढ़ाती है

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : पैंक्रियाटिक कैंसर के विकास, ट्यूमर की वृद्धि और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं के विकास, आक्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। भविष्य में म्यूकिन्स कैंसर की समय रहते पहचान के लिए महत्वपूर्ण जैव-चिह्न (बायोमार्कर) और उपचार के संभावित लक्ष्य साबित हो सकते हैं। यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के स्कूल आफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फेलो डाक्टर राकेश भाटिया ने दी।

एसडी कालेज सेक्टर-32 में पीएम-उषा योजना के तहत जूलॉजी विभाग की ओर से 'पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। डाक्टर भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि म्यूकिन्स जटिल ग्लाइकोप्रोटीन होते हैं, जो शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पैंक्रियाटिक कैंसर में म्यूकिन्स के विभिन्न प्रकारों में होने वाले बदलाव कैंसर की शुरुआत से लेकर ट्यूमर की वृद्धि व अन्य अंगों तक कैंसर के प्रसार को प्रभावित कर सकते हैं।

उन्होंने म्यूकिन्स से कैंसर कोशिकाओं के विकास व प्रसार को नियंत्रित करने वाली आणविक प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला। म्यूकिन्स को भविष्य में कैंसर के डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

एसडी कालेज में पीएम ऊषा योजना के तहत आयोजित व्याख्यान के लिए पहुंचे डा. राकेश भाटिया का स्वागत करते प्रिंसिपल अजय शर्मा • कालेज प्रबंधन

दिव्य हिमाचल 7/9/2026

एसडी कालेज में पैन्क्रियाटिक कैंसर पर छात्र जागरूक

चंडीगढ़। पैंक्रियाटिक कैंसर के विकास और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आक्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर की पहचान और उपचार के लिए म्यूकिन्स भविष्य में महत्वपूर्ण जैव चिह्न बायोमार्कर और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य साबित हो सकते हैं। यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी मोहाली के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फैलो डा. राकेश भाटिया ने गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज सेक्टर-32 में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान के दौरान दी। पीएम.उषा योजना के तहत कॉलेज के जूलोजी विभाग की ओर से पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये जटिल ग्लाइकोप्रोटीन शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पैंक्रियाटिक कैंसर में अलग-अलग प्रकार के म्यूकिन्स की भूमिका को उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

एसडी कॉलेज में पैंक्रियाटिक कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान, म्यूकिन्स की भूमिका पर डाला प्रकाश

चंडीगढ़ (हिमप्रभा ब्यूरो)। पैंक्रियाटिक कैंसर के विकास और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आक्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर की पहचान और उपचार के लिए म्यूकिन्स भविष्य में महत्वपूर्ण जैव-चिह्न और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य साबित हो सकते हैं। यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फैलो डॉ. राकेश भाटिया ने गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान के दौरान दी। पीएम-उषा योजना के तहत कॉलेज के जूलोजी विभाग की ओर से 'पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये जटिल ग्लाइकोप्रोटीन शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पैंक्रियाटिक कैंसर में अलग-अलग प्रकार के म्यूकिन्स की भूमिका को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि कैंसर के शुरुआती चरण से लेकर ट्यूमर की वृद्धि, आसपास के ऊतकों में आक्रमण और शरीर के अन्य अंगों तक इसके प्रसार में म्यूकिन्स से जुड़े बदलाव महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने म्यूकिन्स के माध्यम से कैंसर कोशिकाओं के विकास और प्रसार को नियंत्रित करने वाली आणविक प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला। साथ

ही, कैंसर की समय रहते पहचान और प्रभावी उपचार की दिशा में म्यूकिन्स को संभावित डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने कैंसर जीव विज्ञान और इम्यूनोलॉजी से जुड़े सवाल पूछे। डॉ. भाटिया ने उनके सवालों के जवाब देते हुए इस क्षेत्र में चल रहे शोध और भविष्य की संभावनाओं से भी अवगत कराया। व्याख्यान ने विद्यार्थियों को कैंसर अनुसंधान की नई दिशाओं को समझने और इस क्षेत्र में शोध के अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के संरक्षण में किया गया।

अंत में जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता ने वक्ता और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पैंक्रियाटिक कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित
म्यूकिन्स की भूमिका पर डाला प्रकाश

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। पैंक्रियाटिक कैंसर के विकास और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आक्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर की पहचान और उपचार के लिए म्यूकिन्स भविष्य में महत्वपूर्ण जैव-चिह्न (बायोमार्कर) और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य साबित हो सकते हैं।

यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फैलो डॉ. राकेश भाटिया ने गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान के दौरान दी। पीएम-उषा योजना के तहत कॉलेज के जूलोजी विभाग की ओर से 'पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत,

विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये जटिल ग्लाइकोप्रोटीन शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पैंक्रियाटिक कैंसर में अलग-अलग प्रकार के म्यूकिन्स की भूमिका को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि कैंसर के शुरुआती चरण से लेकर ट्यूमर की वृद्धि, आसपास के ऊतकों में आक्रमण और शरीर के अन्य अंगों तक इसके प्रसार में म्यूकिन्स से जुड़े बदलाव महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने म्यूकिन्स के माध्यम से कैंसर कोशिकाओं के विकास और प्रसार को नियंत्रित करने वाली आणविक प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, कैंसर की समय रहते पहचान और प्रभावी उपचार की दिशा में म्यूकिन्स को संभावित डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने कैंसर जीव विज्ञान और इम्यूनोलॉजी से जुड़े सवाल पूछे। डॉ. भाटिया ने उनके सवालों के जवाब देते हुए इस क्षेत्र में चल रहे शोध और भविष्य की संभावनाओं से भी अवगत कराया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के संरक्षण में किया गया। अंत में जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता ने वक्ता और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

चंडीगढ़ सवेरा 7/9/2026

एसडी कॉलेज में पैंत्रियाटिक कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

सवेरा न्यूज/ राकेश चंडीगढ़,06 सितंबर : पैंत्रियाटिक कैंसर के विकास और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आक्त्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर की पहचान और उपचार के लिए म्यूकिन्स भविष्य में महत्वपूर्ण जैव-चिह्न (बायोमार्कर) और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य साबित हो सकते हैं।
यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फैलो डॉ. राकेश भाटिया ने गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज -32 में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान के दौरान दी। पीएम-उषा योजना के तहत कॉलेज के जूलोजी विभाग की ओर से 'पैंत्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्योंर् की जानकारी देते हुए बताया कि ये जटिल ग्लाइकोप्रोटीन शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्त्रम का आयोजन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के संरक्षण में किया गया। अंत में जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता ने वक्ता और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

एसडी कॉलेज में पैंक्रियाटिक कैंसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान, म्यूकिन्स की भूमिका पर डाला प्रकाश

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

पैंक्रियाटिक कैंसर के विकास और शरीर के दूसरे हिस्सों तक इसके फैलाव में म्यूकिन्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। म्यूकिन्स की असामान्य अभिव्यक्ति कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि, आक्रमण और मेटास्टेसिस को बढ़ावा दे सकती है। कैंसर की पहचान और उपचार के लिए म्यूकिन्स भविष्य में महत्वपूर्ण जैव-चिह्न (बायोमार्कर) और संभावित चिकित्सीय लक्ष्य साबित हो सकते हैं।

यह जानकारी एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर एवं रामानुजन फैलो डॉ. राकेश भाटिया ने गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में आयोजित आमंत्रित व्याख्यान के दौरान दी। पीएम-उषा योजना के तहत कॉलेज के जूलोजी विभाग की ओर से 'पैंक्रियाटिक कैंसर की शुरुआत, विकास और मेटास्टेसिस में म्यूकिन्स का योगदान' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. भाटिया ने विद्यार्थियों को म्यूकिन्स की संरचना, प्रकृति और जैविक कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये जटिल ग्लाइकोप्रोटीन शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पैंक्रियाटिक कैंसर में अलग-अलग प्रकार के म्यूकिन्स की भूमिका को उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

उन्होंने बताया कि कैंसर के शुरुआती चरण से लेकर ट्यूमर की वृद्धि, आसपास के ऊतकों में आक्रमण और शरीर के अन्य अंगों तक इसके प्रसार में म्यूकिन्स से जुड़े बदलाव महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने म्यूकिन्स के माध्यम से कैंसर कोशिकाओं के विकास और प्रसार को नियंत्रित करने वाली आणविक प्रक्रियाओं पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, कैंसर की समय रहते पहचान और प्रभावी उपचार की दिशा में म्यूकिन्स को संभावित डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने कैंसर जीव विज्ञान और इम्यूनोलॉजी से जुड़े सवाल पूछे। डॉ. भाटिया ने उनके सवालों के जवाब देते हुए इस क्षेत्र में चल रहे शोध और भविष्य की संभावनाओं से भी अवगत कराया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के संरक्षण में किया गया। अंत में जूलोजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. इंदु मेहता ने वक्ता और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।